NEWSLETTER

जुलाई 2024 से प्रकाशित

जनवरी, 2026

सशक्त समाज, समृद्ध जीवन

विषय-सूची

1.	वरिष्ठ सलाहकार का संदेश	1
2.	IPL फाउंडेशन की नई पहलें	2
3.	IPL शुगर यूनिट, खड्डा में अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुभारंभ	4
4.	उद्भव शिक्षा निकेतन, जरवल रोड में बाल दिवस का आयोजन	5
5.	प्रोजेक्ट डिजीलैब: उद्भव शिक्षा निकेतन, जरवल में डिजिटल साक्षरता को सशक्त बनाना	6
6.	ICRO–अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत किसान बैठक	7
7.	SRM विश्वविद्यालय, सोनीपत में MoU हस्ताक्षर समारोह आयोजित	8
8.	SRM विश्वविद्यालय, सोनीपत में अमृत इंटर्नशिप अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित	9
9.	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में AGRANI इंटर्नशिप कार्यक्रम	10
10.	IPL शुगर यूनिट, जरवाल रोड में अमृत इंटर्नशिप अभिमुखीकरण कार्यक्रम	11
11.	तालाजारिंग, ओडिशा में वन हेल्थ मेडिकल कैंप	12
12.	IPL शुगर यूनिट, कोडिनार में वन हेल्थ मेडिकल कैंप	13
13.	JSC एक्रोन प्रतिनिधिमंडल का उत्तर प्रदेश में आईपीएल की सुविधाओं और किसान-केंद्रित पहलों का दौरा	14
14.	समाज में ढलना बनाम वास्तविक होना	15
15.	सफलता की कहानी	16
16.	मीडिया कवरेज	17

डॉ. राजीव रंजन आईएएस (सेवानिवृत्त)
वरिष्ठ सलाहकार, आईपीएल फाउंडेशन

नववर्ष 2026 के स्वागत के साथ, आईपीएल फाउंडेशन सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता है। हम आशा करते हैं कि यह नया वर्ष सभी के जीवन में खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए। नए उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ, हम ऐसे वर्ष की ओर अग्रसर हैं जिसमें फाउंडेशन नई ऊँचाइयों को छुएगा, अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार करेगा और देशभर में समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगा।

हमारे द्वैमासिक न्यूज़लेटर के जनवरी अंक में, हमें इंडियन पोटाश लिमिटेड एवं आईपीएल फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में किए गए प्रभावशाली प्रयासों को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सतत विकास पर केंद्रित इन पहलों ने समाज में सार्थक प्रभाव डाला है।

पिछले दो महीनों के दौरान कई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें उद्भव शिक्षा निकेतन विद्यालय में बाल दिवस का आयोजन, हितधारक बैठकें, अनेक वन हेल्थ मेडिकल कैंप, किसान सम्मेलन, अमृत इंटर्नशिप ओरिएंटेशन कार्यक्रम, समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षर समारोह तथा सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव शामिल हैं। इन पहलों के माध्यम से हमारी इंटर्नशिप एवं सतत आउटरीच कार्यक्रमों द्वारा लगभग 2,200 विद्यार्थियों से संवाद स्थापित हुआ तथा दो लाख से अधिक किसानों को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, गुजरात, तमिलनाडु एवं राजस्थान में लाभ पहुँचा। ये प्रयास न केवल अमृत इंटर्न्स को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं, बल्कि उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व, आलोचनात्मक सोच और सांस्कृतिक समझ को भी विकसित करते हैं।
समावेशी एवं सतत विकास की इस यात्रा में हम स्थानीय समुदायों के साथ अपने जुड़ाव को और गहरा करने तथा अपनी पहलों के प्रभाव को निरंतर बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साथ ही, हमें अपने न्यूज़लेटर में एक नए खंड ‘कर्मचारी कॉर्नर’ की पुनः शुरुआत करते हुए खुशी हो रही है, जो कर्मचारियों को अपने विचार, अनुभव और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ साझा करने का अवसर प्रदान करेगा। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इस मंच का सक्रिय रूप से उपयोग करें और आने वाले अंकों के लिए अपने सुझाव अवश्य साझा करें।

ये सभी उपलब्धियाँ हमारी समर्पित टीम के अथक प्रयासों तथा भारतीय पोटाश लिमिटेड के निरंतर सहयोग का परिणाम हैं, जो हमारे प्रबंध निदेशक डॉ. पी. एस. गहलौत के दूरदर्शी नेतृत्व में संभव हो सका है। हम मुख्य कृषि वैज्ञानिक डॉ. यू. एस. तेवतिया, विभिन्न आईपीएल इकाइयों के प्रमुखों तथा एजुकेशन सोसायटी टीम का हमारे मिशन को आगे बढ़ाने में उनके अमूल्य योगदान के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

IPL फाउंडेशन की नई पहलें

2025 में नई पहलों की नींव, 2026 में प्रभाव का विस्तार एवं क्रियान्वयन

2025 में, आईपीएल फाउंडेशन ने ग्रामीण पहुंच को सशक्त बनाने, कृषि विकास को प्रोत्साहित करने तथा समुदायों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से कई नये कार्यक्रमों की शुरुआत की। इन पहलों से प्राप्त अनुभवों और सकारात्मक परिणामों के आधार पर, वर्ष 2026 में सभी कार्यक्रम क्षेत्रों में विस्तार, प्रभाव को और गहरा करने तथा दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

- **ऐग्रिकल्चर ग्रोथ फॉर रुरल एडवांसमेंट एंड नेचुरल इंटीग्रेशन इंटर्नशिप प्रोग्राम (AGRANI):**

AGRANI इंटर्नशिप प्रोग्राम अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम का एक उन्नत विस्तार है, जिसे युवा पेशेवरों को 3 से 12 महीनों तक जमीनी स्तर पर कृषि विकास से जुड़े सार्थक कार्यों में सहभागी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

इस पहल के अंतर्गत इंटर्न्स को गाँवों, कृषि विज्ञान केंद्रों (KVKs), आईपीएल इकाइयों, किसान उत्पादक संगठनों (FPOs/FFPOs) तथा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACs) में तैनात किया जाता है, जहाँ वे किसानों एवं संबंधित संस्थाओं के साथ निकटता से कार्य करते हैं। प्रत्येक इंटर्न पूरे इंटर्नशिप काल के लिए एक निर्धारित क्षेत्र को अपनाता है, जिससे समुदाय के साथ गहन सहभागिता एवं स्थायी जुड़ाव सुनिश्चित होता है।

मुख्य फोकस क्षेत्र:
• किसानों का प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण
• खेत स्तर पर परीक्षण एवं फ्रंटलाइन प्रदर्शन
• उन्नत कृषि पद्धतियों पर ज्ञान का हस्तांतरण
• ग्रामीण आजीविका एवं संस्थागत कार्यप्रणाली की समझ विकसित करना

- **वन हेल्थ मेडिकल कैंप:**

आईपीएल फ़ाउंडेशन ने आईपीएल इकाइयों के आसपास 10 स्थानों पर वन हेल्थ कैंप सफलतापूर्वक आयोजित किए, ईन शिविरो में मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और कृषि भूमि के स्वास्थ्य को एकीकृत करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया।

इन शिविरों में स्थानीय समुदाय की सक्रिय और उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली तथा इसके ठोस और मापनीय परिणाम सामने आए। इन पहलों के माध्यम से 4,500 से अधिक लोगों को लाभ पहुँचा, 800 से अधिक मृदा नमूनों का परीक्षण किया गया जिससे वैज्ञानिक एवं सतत भूमि प्रबंधन को बढ़ावा मिला, तथा 1,000 से अधिक पशुओं की जाँच एवं उपचार कर पशुधन स्वास्थ्य और किसानों की आजीविका को सशक्त बनाया गया।

प्रभाव की प्रमुख झलकियाँ:
- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता में वृद्धि
- पशुधन स्वास्थ्य हेतु जाँच एवं उपचार सेवाओं की उपलब्धता
- सतत एवं वैज्ञानिक कृषि भूमि प्रबंधन को प्रोत्साहन

- **MoU हस्ताक्षर और सहयोग:**

शैक्षणिक एवं फील्ड-आधारित सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आईपीएल फ़ाउंडेशन ने चेन्नई इंटरनेशनल सेंटर (CIC) तथा एसआरएम यूनिवर्सिटी, सोनीपत के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किया हैं।

इन साझेदारियों का उद्देश्य इंटर्नशिप, ई-लर्निंग, फील्ड एंगेजमेंट एवं एक्सटेंशन गतिविधियों के क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग स्थापित करना है, जो इन समझौतों के प्रमुख लक्ष्य हैं। ये MoU अकादमिक ज्ञान और जमीनी स्तर पर उसके प्रभावी कार्यान्वयन के बीच की दूरी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

- **डिजिटल पहल:**

आईपीएल फ़ाउंडेशन ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को सशक्त करने एवं तकनीकी अंतर को पाटने के उद्देश्य से उद्भव शिक्षा निकेतन, जरवल में प्रोजेक्ट DiGiLab की शुरुआत की है। यह पहल आधुनिक शिक्षा में डिजिटल साक्षरता के महत्व को रेखांकित करती है।

इस परियोजना के अंतर्गत 20 कंप्यूटरों, इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा आधुनिक आईसीटी अवसंरचना से युक्त एक पूर्णतः सुसज्जित कंप्यूटर लैब की स्थापना की गई है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप में, डिजिटल इंडिया मिशन तथा शिक्षा एवं कौशल विकास के प्रति आईपीएल की सीएसआर प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है।

2 नवंबर 2025 को उद्घाटित DiGiLab के माध्यम से सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों को डिजिटल टूल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिसमें बेसिक कंप्यूटर स्किल्स, एमएस ऑफिस, इंटरनेट का उपयोग, क्रिएटिव एप्लिकेशन्स तथा प्रारंभिक प्रोग्रामिंग अवधारणाएँ शामिल हैं। इस पहल से प्रतिवर्ष 500–800 विद्यार्थियों को लाभ होने की उम्मीद है, जिससे उनकी शैक्षणिक क्षमता और भविष्य की रोजगार संभावनाएँ सुदृढ़ होंगी।

आईपीएल शुगर यूनिट, खड्डा में अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुभारंभ

आईपीएल फाउंडेशन ने 2 नवंबर 2025 को आईपीएल शुगर यूनिट, खड्डा, कुशीनगर में RISE फाउंडेशन के सहयोग से अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जिला गन्ना अधिकारी श्री हुडा सिद्दीकी थे तथा इस अवसर पर यूनिट हेड श्री एन. पी. सिंह, केन हेड श्री सुधीर कुमार, गन्ना अनुसंधान केंद्र, सेवराही के वैज्ञानिक, तथा आईपीएल शुगर यूनिट और आरआईएसई फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने युवाओं को वैज्ञानिक, प्रभावी एवं सतत कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की झलकियाँ

इस तीन माह की इंटर्नशिप के लिए कुल 55 छात्रों का चयन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान ये इंटर्न किसानों के साथ मिलकर कार्य करेंगे तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जैविक खाद निर्माण, वैज्ञानिक सिंचाई पद्धतियाँ, जल संरक्षण और जलवायु-स्मार्ट कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। प्रत्येक इंटर्न को ₹6,000 प्रतिमाह की छात्रवृत्ति के साथ प्रशिक्षण किट एवं अध्ययन सामग्री भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम की झलकियाँ

वर्ष 2022 में प्रारंभ किया गया अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम पेशेवर कृषि कौशल विकसित करने, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा आधुनिक तकनीकों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने का उद्देश्य रखता है। किसानों के साथ संवाद के माध्यम से इंटर्न स्थानीय चुनौतियों का दस्तावेजीकरण करेंगे, क्षेत्रीय सुधारों में सहयोग देंगे और सतत कृषि विकास में योगदान करेंगे।

उद्भव शिक्षा निकेतन, जरवल रोड में बाल दिवस का आयोजन

14 नवंबर को मनाए गए बाल दिवस के शुभ अवसर पर, उद्भव शिक्षा निकेतन, जरवल रोड को विद्यालय परिसर में हमारे माननीय अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक एवं आदरणीय निदेशक मंडल के सदस्यों का स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस दिवस को विशेष महत्व प्रदान किया और शिक्षक, अभिभावक तथा विद्यार्थियों सहित पूरे विद्यालय परिवार में गर्व एवं कृतज्ञता की भावना का संचार किया।

कार्यक्रम की झलकियाँ

माननीय अतिथियों के आगमन से विद्यार्थियों को अत्यधिक प्रेरणा मिली, जिससे उनका उत्साह बढ़ा और उत्कृष्टता की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त हुई। समारोह के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा एक आनंदमय खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उनकी ऊर्जा, अनुशासन एवं टीम भावना का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। निदेशक मंडल के सदस्यों की सक्रिय सहभागिता एवं प्रोत्साहन ने इस कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया।

इस अवसर का एक विशेष आकर्षण निदेशक मंडल द्वारा विद्यार्थियों को स्मृति चिन्हों का वितरण रहा, जिससे बच्चों में अत्यंत प्रसन्नता देखने को मिली। ये स्मृति चिन्ह न केवल उनके प्रयासों की सराहना थे, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी सशक्त बनाने वाले सिद्ध हुए। विद्यार्थियों को अतिथियों से संवाद का अवसर मिला और उन्होंने भविष्य में भी उनके आशीर्वाद, मार्गदर्शन एवं सहयोग की कामना व्यक्त की।

उत्साह और प्रेरणा से परिपूर्ण इस आयोजन के साथ समारोह का समापन हुआ। बाल दिवस 2025 उद्भव शिक्षा निकेतन के लिए एक प्रेरणादायक एवं स्मरणीय उपलब्धि के रूप में अंकित हो गया।

प्रोजेक्ट डिजीलैब: उद्भव शिक्षा निकेतन, जरवल में डिजिटल साक्षरता को सशक्त बनाना

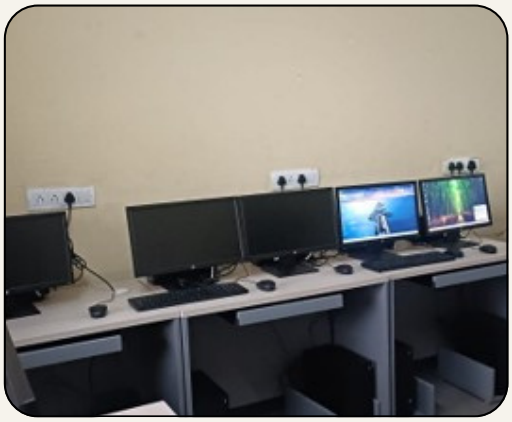

इंडियन पोटाश लिमिटेड ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को सुदृढ़ करने और तकनीकी अंतर को कम करने के उद्देश्य से उद्भव शिक्षा निकेतन, जरवल में प्रोजेक्ट डिजीलैब का शुभारंभ किया है। यह पहल डिजिटल साक्षरता की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए की गई है, जहाँ कंप्यूटर और डिजिटल उपकरणों तक पहुँच अब पारंपरिक शिक्षा जितनी ही आवश्यक हो गई है। 20 कंप्यूटरों, इंटरनेट कनेक्टिविटी और आधुनिक आईसीटी अवसंरचना से युक्त एक पूर्णतः सुसज्जित कंप्यूटर लैब की स्थापना के माध्यम से यह परियोजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप में , डिजिटल इंडिया मिशन तथा शिक्षा एवं कौशल विकास के प्रति आईपीएल की सीएसआर प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है।

उद्भव शिक्षा निकेतन, जरवाल में डिजीलैब की स्थापना

2 नवंबर 2025 को आरंभ की गई यह डिजीलैब कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को व्यावहारिक डिजिटल शिक्षण के अवसर प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इसके पाठ्यक्रम में हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर की मूलभूत जानकारी, एमएस ऑफिस एप्लिकेशन, इंटरनेट का आधारभूत उपयोग तथा एमएस पेंट और एडोबी फोटोशॉप जैसे रचनात्मक टूल्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को स्क्रैच प्रोग्रामिंग, एचटीएमएल आधारित वेब डेवलपमेंट, पाइथन कोडिंग और प्रारंभिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉड्यूल जैसे उन्नत विषयों से भी परिचित कराया जा रहा है।

इस परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 500 से 800 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे, जिससे वे आवश्यक डिजिटल दक्षताएँ विकसित कर सकेंगे, जो उनकी शैक्षणिक प्रगति के साथ-साथ भविष्य की रोजगार संभावनाओं को भी सशक्त बनाएंगी।

ICRO–अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत किसान बैठक

अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत 13 नवंबर 2025 को तमिलनाडु स्थित एसआरएम कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज़ में एक सफल किसान बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में किसानों, कृषि विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों तथा अमृत इंटर्न्स ने एक साझा मंच पर सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य ज्ञान के आदान-प्रदान को सुदृढ़ करना, आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपन्ना तथा कृषक समुदाय और संस्थागत सहायता प्रणालियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना था।

किसान बैठक की झलकियाँ

इस बैठक के दौरान कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें सरकारी योजनाओं और डिजिटल कृषि उपकरणों की जानकारी दी गई। किसानों को मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सब्सिडी, बीमा लाभ एवं फसल सलाह तक पहुँचने के तरीकों से अवगत कराया गया। विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिक सब्जी उत्पादन तकनीकों पर भी महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें नर्सरी प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, सिंचाई योजना, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन एवं कटाई उपरांत प्रबंधन जैसे विषय शामिल थे, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

एक अन्य प्रमुख सत्र में प्रमुख फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन पर चर्चा की गई, जिसमें सुरक्षित एवं प्रभावी एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM) पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया गया। अमृत इंटर्न्स ने अपने क्षेत्रीय सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति भी प्रस्तुत की, जिससे ग्राम स्तर पर विश्वास एवं सहयोग को मजबूती मिली।

कार्यक्रम का समापन खुली चर्चा एवं संवाद के साथ हुआ, जिसमें किसानों को नई तकनीकों को अपनाने तथा सरकारी सहायता सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

SRM विश्वविद्यालय, सोनीपत में MoU हस्ताक्षर समारोह आयोजित

2 दिसंबर 2025 को एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत (SRM) में आईसीआरओ – आईपीएल फाउंडेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह आयोजित किया गया। यह सहयोग कृषि, शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में आपसी साझेदारी को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस MoU (समझौता ज्ञापन) का उद्देश्य छात्रों के लिए कृषि इंटर्नशिप कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, क्षेत्र-आधारित अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग-अनुभव के अवसर उपलब्ध कराना है। यह साझेदारी सतत कृषि पद्धतियों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ छात्रों को व्यावहारिक एवं वास्तविक अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक सशक्त पहल है। एमओयू पर औपचारिक रूप से प्रो. वी. सैमुअल राज, रजिस्ट्रार, एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत तथा डॉ. राजीव रंजन, वरिष्ठ सलाहकार, आईपीएल फाउंडेशन द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

कार्यक्रम की झलकियाँ

इस समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम, अग्रणी इंटर्नशिप कार्यक्रम तथा कृषि उत्पादकता, जलवायु-संवेदनशील खेती और हरित विकास पर केंद्रित सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करेंगे।

यह सहयोग अकादमिक एवं उद्योग के बीच संबंधों को मजबूत करेगा, छात्रों और किसानों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा।

SRM विश्वविद्यालय, सोनीपत में अमृत इंटर्नशिप अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

सतत कृषि एवं ग्रामीण सशक्तिकरण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के अंतर्गत, आईपीएल फाउंडेशन ने एसआरएम विश्वविद्यालय दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत के सहयोग से 2 दिसंबर 2025 को "सतत कृषि पद्धतियाँ: अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम" विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया।

सम्मेलन का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. परमजीत एस. जसवाल द्वारा किया गया, जबकि विषयगत स्वागत संबोधन प्रो. रेणु चौधरी ने प्रस्तुत किया। मुख्य व्याख्यान सत्र में डॉ. राजीव रंजन, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम की परिकल्पना पर प्रकाश डालते हुए अनुभवात्मक शिक्षण, किसान कल्याण तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया।

अमृत इंटर्नशिप अभिमुखीकरण कार्यक्रम की झलकियाँ

इस अवसर पर पद्मश्री सम्मानित किसान श्री कंवल एस. चौहान सहित अन्य कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों ने सतत खेती, सटीक खेती, सरकारी योजनाओं एवं किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) की भूमिका पर व्यावहारिक जानकारियाँ साझा कीं। प्रो. वी. सैमुअल राज द्वारा प्रस्तुत वैज्ञानिक सत्र में कृषि में अत्यधिक रासायनिक उपयोग से उत्पन्न एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस जैसी गंभीर समस्या पर चर्चा की गई।

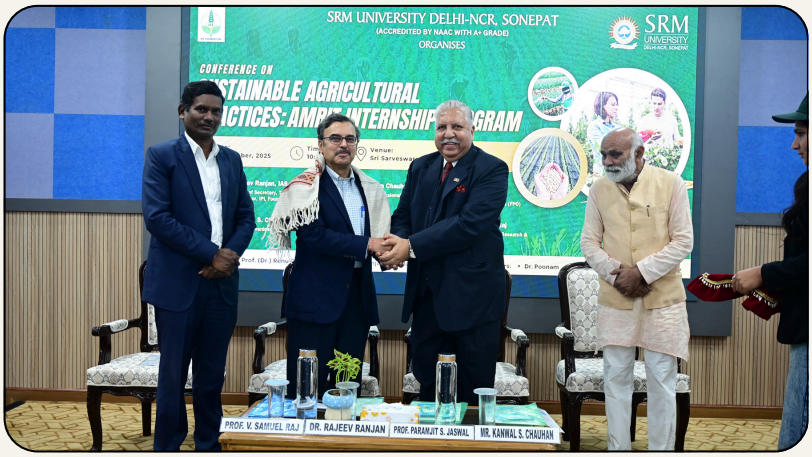

कार्यक्रम का समापन अमृत इंटर्नशिप के आवेदन प्रक्रिया पर आधारित एक वर्चुअल अभिमुखीकरण सत्र के साथ हुआ, जिसने छात्रों को क्षेत्र-आधारित शिक्षण के माध्यम से सतत ग्रामीण विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में AGRANI इंटर्नशिप कार्यक्रम

आईपीएल फाउंडेशन ने निदेशालय विस्तार शिक्षा, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (TNAU) के सहयोग से 2 से 4 दिसंबर 2025 के दौरान अग्रणी इंटर्नशिप अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन टीएनएयू, कोयंबटूर में किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों और विस्तार प्रणालियों की गहन समझ के साथ कुशल कृषि पेशेवरों का निर्माण करना है।

चयनित अभ्यर्थियों ने तीन दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसे उन्हें क्षेत्र-स्तर पर प्रभावी सहभागिता के लिए तैयार करने हेतु डिज़ाइन किया गया था। सत्रों के दौरान इंटर्न्स को अग्राणी इंटर्नशिप कार्यक्रम की रूपरेखा, आईपीएल फाउंडेशन की भूमिका तथा भारत और तमिलनाडु की कृषि परिदृश्य से अवगत कराया गया। प्रमुख विषयों में ग्रामीण विकास, विस्तार विधियाँ, डिजिटल कृषि, मृदा स्वास्थ्य, बीज प्रौद्योगिकी, फसल उत्पादन, विपणन, मूल्य संवर्धन तथा सरकारी योजनाएँ शामिल रहीं।

कार्यक्रम की झलकियाँ

कार्यक्रम में किसान लामबंदी, बेसलाइन सर्वेक्षण, आवश्यकता आकलन तथा कार्ययोजना निर्माण पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त, तकनीकी व्यापार इन्क्यूबेटर – इन्क्यूबेटी प्रोडक्ट प्रमोशन सेंटर (TIPPC) एवं मशरूम यूनिट, टीएनएयू के भ्रमण के माध्यम से इंटर्न्स को कृषि व्यवसाय, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता से संबंधित व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

यह पहल सतत कृषि एवं ग्रामीण विकास के प्रति आईपीएल की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है।

IPL शुगर यूनिट, जरवल रोड में अमृत इंटर्नशिप अभिमुखीकरण कार्यक्रम

IPL फाउंडेशन की सीएसआर पहल के अंतर्गत, आईपीएल शुगर यूनिट, जरवल रोड, जिला बहराइच, उत्तर प्रदेश में 9 दिसंबर को अमृत इंटर्नशिप अभिमुखीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम चयनित ग्रामीण युवाओं को अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम में औपचारिक रूप से शामिल करने का अवसर था, जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक, सतत और सम्मानजनक कृषि आजीविका को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया तथा कार्यक्रम के दौरन वरिष्ठ अधिकारी एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे, जिनमें श्री टी. एस. राणा, यूनिट हेड; श्री संजीव चौधरी, केन हेड; डॉ. विनय मिश्रा, गन्ना वैज्ञानिक; डॉ. अवधेश शर्मा, कृषि वैज्ञानिक और सुगर्शन समिति एवं RISE फाउंडेशन के प्रतिनिधि शामिल थे। सभी अतिथियों ने ग्रामीण कृषि को सुदृढ़ करने में वैज्ञानिक खेती, युवा सहभागिता, अनुशासन और जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 68 ग्रामीण छात्रों जिसमे 26 लड़कियाँ और 42 लड़को को चयनित किया गया। चयनित इंटर्न्स तीन माह की संरचित इंटर्नशिप करेंगे, जिसमें प्रत्येक इंटर्न लगभग 100 किसानों के साथ सीधे काम कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेगा। इंटर्न्स को आधुनिक कृषि पद्धतियों, मृदा एवं जल प्रबंधन, सतत इनपुट्स और प्रभावी किसान संवाद के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की झलकियाँ

प्रत्येक इंटर्न को मासिक छात्रवृत्ति, टूलकिट, प्रशिक्षण, मेंटरिंग और ई-लर्निंग समर्थन प्रदान किया जाएगा। यह अभिमुखीकरण कार्यक्रम प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मजबूत आधार तैयार करता है और युवाओं के सशक्तिकरण तथा सतत ग्रामीण विकास के प्रति आईपीएल फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है।

तालाजारिंग, ओडिशा में वन हेल्थ मेडिकल कैंप

आईपीएल फाउंडेशन की सीएसआर पहल के तहत, 17–18 नवंबर 2025 को ओडिशा, जिला कालाहांडी, तलाजारिंग के निकट आईपीएल GBD प्लांट में दो दिवसीय वन हेल्थ मेडिकल और वेटरनरी कैंप का आयोजन किया गया, जिसे RISE फाउंडेशन, नई दिल्ली ने कार्यान्वित किया। इस पहल का उद्देश्य सतत ग्रामीण विकास के लिए मानव, पशु, मृदा और पौधों के स्वास्थ्य के समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था।

पहले दिन, अपर प्राइमरी स्कूल, लबनीपुर में मानव, मृदा तथा पौध स्वास्थ्य कैंप आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन श्री दुर्गा प्रसाद द्विवेदी, यूनिट हेड, आईपीएल GBD प्लांट ने किया।

वन हेल्थ मेडिकल कैंप की झलकियाँ

इसमें 500 से अधिक ग्रामीणों को नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श, सामान्य स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाएँ और कृषि परामर्श सेवाएँ प्रदान की गईं। 100 किसानों के लिए मृदा परीक्षण किया गया और मिट्टी की उर्वरता, फसल प्रबंधन एवं संतुलित उर्वरक उपयोग पर मार्गदर्शन दिया गया। महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए आयरन सप्लीमेंट, मल्टीविटामिन और सेनेटरी पैड वितरित किए गए।

दूसरे दिन, घाटबैली गांव में पशु स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 120 से अधिक पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण, नि:शुल्क दवाएँ और पशु देखभाल एवं रोग रोकथाम पर परामर्श प्रदान किया गया।

यह कार्यक्रम आईपीएल फाउंडेशन की समग्र, समावेशी और सतत ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

IPL शुगर यूनिट, कोडिनार में वन हेल्थ मेडिकल कैंप

सतत ग्रामीण विकास के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता के तहत, IPL फाउंडेशन ने 16 दिसंबर 2025 को आईपीएल शुगर यूनिट, कोडिनार, गुजरात में वन हेल्थ मेडिकल कैंप का आयोजन किया। इस सीएसआर पहल में स्वास्थ्य, कृषि तथा पशु चिकित्सा सेवाओं को एक साथ लाकर ग्रामीण समुदायों की समग्र भलाई को बढ़ावा दिया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन आईपीएल कोडिनार, बिल्लेश्वर खंड उद्योग और स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों द्वारा किया गया, जिसके बाद लाभार्थियों के साथ सक्रिय संवाद हुआ, जो समुदाय की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है।

कार्यक्रम में व्यापक मानव स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं, जिनमें बीपी और ब्लड शुगर जांच, सामान्य परामर्श, दंत, नेत्र और स्त्रीरोग जांच, नि:शुल्क दवाएँ और महिलाओं के लिए सेनेटरी पैड वितरण शामिल थे। विशेषज्ञ चिकित्सकों और आईपीएल टीम ने गुणवत्तापूर्ण देखभाल और स्वास्थ्य जागरूकता सुनिश्चित की।

मृदा और पौध स्वास्थ्य परामर्श सत्र, जिसे केवीके कोडिनार और जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने संचालित किया, किसानों को बेहतर गन्ना किस्मों, मृदा उर्वरता, संतुलित उर्वरक उपयोग और सतत कृषि पद्धतियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त, देवली गांव में पशु स्वास्थ्य कैंप आयोजित किया गया, जिसमें पशुधन की जांच, उपचार और रोग निवारक देखभाल प्रदान की गई, जिससे पशु स्वास्थ्य और ग्रामीण आजीविका मजबूत हुई।

इस पहल का समापन योगदान देने वाले चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और फील्ड टीम के सम्मान के साथ हुआ, जो आईपीएल फाउंडेशन की समग्र और सतत ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

JSC एक्रोन प्रतिनिधिमंडल का उत्तर प्रदेश में IPL की सुविधाओं और किसान-केंद्रित पहलों का दौरा

14 से 15 अक्टूबर 2025 तक, JSC Acron का एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के मेरठ, मुज़फ्फरनगर और हापुड़ जिलों में इंडियन पोटाश लिमिटेड (IPL) की प्रमुख सुविधाओं और किसान जुड़ाव पहलों का दो दिवसीय दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल में श्री दिमित्रि खाब्रात, उपाध्यक्ष – ओवरसीज सेल्स; श्री अलेक्ज़ेई लिसिन; श्रीमती अन्ना डोरोफेवा, प्रमुख – मार्केटिंग; और श्री मोहंदास बिनानी शामिल थे।

14 अक्टूबर 2025 को प्रतिनिधिमंडल ने उद्भव शिक्षा निकेतन स्कूल, सखोटी टांडा (मेरठ) का दौरा किया, विद्यार्थियों से बातचीत की और स्कूल की शैक्षणिक पहलों की सराहना की। दौरे में फेयर प्राइस शॉप और IPL PMKSK सेंटर, सखोती टांडा भी शामिल था, जहाँ प्रतिनिधियों ने IPL की उर्वरक श्रृंखला और बायोमेट्रिक पीओएस आधारित उर्वरक वितरण प्रणाली का अवलोकन किया।

15 अक्टूबर 2025 को प्रतिनिधिमंडल ने सखोटी में गन्ना प्रदर्शन प्लॉट का दौरा किया, जहाँ किसानों ने Acrona NPK 16:16:16 के उपयोग से फसल की वृद्धि और उत्पादन में सकारात्मक परिणाम साझा किए। इसके बाद प्रतिनिधि सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित किसान मेले में शामिल हुए और IPL स्टॉल पर किसानों के साथ संवाद किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल ने PMKSK सेंटर और रोहाना कलां (मुज़फ्फरनगर) में किसान बैठक, आधुनिक कृषि उपकरण और ड्रोन स्प्रे तकनीक का प्रदर्शन देखा। प्रतिनिधिमंडल ने IPL डिस्टिलरी और CBG प्लांट, एग्रो कृषि सेवा केंद्र रिटेल आउटलेट, और बाबूगढ़ श्वानी (हापुड़) में पत्तागोभी प्रदर्शन प्लॉट का भी दौरा किया।

दो दिवसीय दौरा 15 अक्टूबर 2025 को क्षेत्रीय संवाद और लंच के बाद समाप्त हुआ, और प्रतिनिधिमंडल अपनी यात्रा कार्यक्रम को जारी रखने के लिए आगरा के लिए प्रस्थान किया। प्रतिनिधियों ने किसान जुड़ाव, वैज्ञानिक उर्वरक उपयोग और सतत कृषि विकास के प्रति IPL के समग्र दृष्टिकोण की कड़ी सराहना की।

समाज में ढलना बनाम वास्तविक होना

निशा शिवदासन
वरिष्ठ क्रय अधिकारी,
चीनी प्रभाग, IPL

“माँ, मेरी अलमारी में एक भी ब्रांडेड टी-शर्ट नहीं है। मेरे दोस्तों के पास बहुत सारी हैं और वे काफ़ी स्टाइलिश दिखते हैं। उनके साथ रहते हुए मुझे अपने साधारण कपड़ों में शर्मिंदगी महसूस होती है। हम ब्रांडेड कपड़े क्यों नहीं खरीद सकते?”

एक आर्थिक रूप से सक्षम परिवार ब्रांडेड कपड़े खरीद सकता है, लेकिन हर कोई ऐसा नहीं कर सकता। स्कूल जाने वाला एक छोटा बच्चा मासूम होता है और जीवन की कठिनाइयों को समझ नहीं पाता। जब कोई परिवार रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहा हो, तो वह ब्रांडेड कपड़े और विलासिताएँ कैसे खरीद सकता है?

आज के समय में कई छोटे बच्चे ऐसे शब्द कह रहे हैं, क्योंकि उन्हें उनके दोस्तों द्वारा उनके महंगे कपड़ों और साथ ले जाने वाली वस्तुएं के आधार पर परखा जाता है। लोग फैशन के प्रति बेहद जुनूनी हो गए हैं और सिर्फ़ ध्यान और तारीफ़ पाने के लिए आँख मूंदकर उसका पीछा कर रहे हैं। सोशल मीडिया एक खलनायक बन गया है, जो आत्म-मूल्य और खुशियों की हमारी धारणाओं को गढ़ रहा है। बचपन की मासूमियत धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है और बच्चे अब बच्चों जैसा व्यवहार नहीं करते। वे समाज के दबावों के बोझ तले समय से पहले ही परिपक्व हो रहे हैं। बचपन के बेफिक्र साल मानो कहीं खो गए हैं। मुझे सच में हैरानी होती है—कुछ साल पहले जब हम साधारण कपड़े पहनते थे, तब कोई हमें जज नहीं करता था।

क्या आपको सच में लगता है कि ब्रांडेड या महंगे कपड़े और अन्य विलासिताएँ आपको “खुद जैसा होने” से ज़्यादा ध्यान दिला सकती हैं? ज़्यादातर लोग महंगी चीज़ें और ब्रांडेड कपड़े नहीं खरीद सकते—तो क्या वे इस समाज में जीने या सम्मान पाने के योग्य नहीं हैं? क्या यह सच में एक ज़रूरत है? लेकिन मुझे लगता है कि जानबूझकर या अनजाने में हम सभी समाज में फिट होने के लिए ब्रांडेड चीज़ों की ओर बढ़ रहे हैं, चाहे हमारी जेब इसकी इजाज़त दे या नहीं। बहुत से लोग इसलिए खरीदते हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि जो हम नहीं खरीद पाए, हमारे बच्चे वह जरूर पाएं। लेकिन अनजाने में हम अपने बच्चों को एक गलत संदेश दे रहे हैं। समस्या तब बढ़ जाती है जब चरित्र की कीमत पर बाहरी दिखावे को ज़्यादा महत्व दिया जाता है।

हमें अपने बच्चों में समाज में फिट होने की दौड़ से ज़्यादा दया, सहनशीलता, संवेदनशीलता, धैर्य और ईमानदारी जैसे मूल्य बोने चाहिए। एकल परिवारों ने बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। माता-पिता के पास बच्चों से संवाद करने का समय नहीं रहा। मुझे याद है, जब मैं स्कूल की छुट्टियों में अपने गाँव जाता था/जाती थी, तो मेरे दादा-दादी अपनी छोटी-छोटी कहानियों के ज़रिये बहुत कुछ सिखाया करते थे। परिवार के साथ सच्चा संवाद और साथ बैठकर खाना खाना अब लगभग खत्म हो गया है। छुट्टी के दिन अब या तो टीवी देखने, शॉपिंग करने या आराम करने में निकल जाते हैं। बड़ों का सम्मान करना, दूसरों की मदद करना—ये सब अब इंस्टाग्राम की रील्स बनकर रह गए हैं, केवल दिखावे के लिए; जबकि हकीकत में ये मूल्य धीरे-धीरे गायब होते जा रहे हैं।

हमें समय के साथ चलना चाहिए, लेकिन हमारी प्राथमिकताएँ हमेशा मानवीय मूल्यों में गहराई से जड़ी रहनी चाहिए।

सफलता की कहानी

इंडियन पोटाश लिमिटेड के तालाजारिंग, कालाहांडी स्थित अनाज आधारित डिस्टिलरी प्लांट को “समावेशी औद्योगिक विकास के चैंपियन” श्रेणी में स्टार एम्प्लॉयमेंट अवार्ड 2024–25 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार ओडिशा सरकार द्वारा ओड़िया युवाओं के लिए रोजगार सृजन में IPL के योगदान को मान्यता देने के लिए दिया गया।
यह सम्मान 15 सितंबर 2025 को ओयूएटी कॉन्फ्रेंस हॉल, भुवनेश्वर में माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण जी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

आईपीएल की ओर से यह पुरस्कार श्री डी. पी. द्विवेदी, प्रोजेक्ट हेड ने प्राप्त किया।

सुश्री दिशा कन्नन, प्रोग्राम मैनेजर, आईपीएल फाउंडेशन और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित ओडिसी नर्तकी, को 18 नवंबर 2025 को गुड़गांव स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-46 में आयोजित 13वें इंटर-स्कूल मल्टीपल इंटेलिजेंस फेस्ट “Carpe Diem 2025” में जज के रूप में सेवा देने का सम्मान प्राप्त हुआ।

इस कार्यक्रम में कक्षा I से V तक के विद्यार्थियों ने Mission LiFE (Lifestyle for Environment) के प्रेरक विषय पर अद्भुत प्रस्तुतियाँ दीं, जिसे भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने प्रस्तुत किया है। युवा प्रतिभागियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और उत्साह ने इस कार्यक्रम को वास्तव में यादगार बना दिया।

श्रीमती दिशा कन्नन ने पहले भी दिल्ली विश्वविद्यालय और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (NIT), कुरुक्षेत्र में प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन किया है। हम उन्हें भविष्य में इसी तरह के और अधिक समृद्ध अवसरों और सफलता की शुभकामनाएँ देते हैं।

मीडिया कवरेज

अमृत इंटर्नशिप से सिखाएंगे तकनीक आधारित खेती

संवाद न्यूज एजेंसी

दीपभान सिंह-अमरउजाला

जरवलरोड में आयोजित अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम में मौजूद लोग। - स्रोत : आयोजक

युवाओं के लिए चीनी मिल व आईपीएल फाउंडेशन की पहल

जरवलरोड। ग्रामीण युवाओं को आधुनिक और तकनीक आधारित खेती से जोड़ने के उद्देश्य से जरवलरोड चीनी मिल के सहयोग से इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) फाउंडेशन ने अमृत इंटर्नशिप की शुरुआत की है। यह कार्यक्रम युवाओं को वैज्ञानिक खेती की जानकारी देकर उन्हें खेती को एक बेहतर और सम्मानजनक कॅरिअर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें यूनिट हेड ठाठ सिंह राणा, संजीव चौधरी, डॉ. विनय मिश्रा, डॉ. अवधेश शर्मा, पीएम पांडेय, राजकुमार विश्वकर्मा, रामकिशन सिंह और अभय त्रिपाठी मौजूद रहे। पहले चरण की सफलता के बाद दूसरे चरण में 23 महिलाएं और 39 पुरुष मिलाकर कुल 62 ग्रामीण युवाओं का चयन किया गया है। युवा तीन महीने तक किसानों के बीच रहकर फील्ड अनुभव प्राप्त करेंगे। इन्हें वैज्ञानिक खेती, मृदा परीक्षण, जैविक खाद, फसल प्रबंधन और जल संरक्षण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। हर प्रशिक्षु को 6,000 रुपए मासिक भत्ता दिया जाएगा, जिससे उनका उत्साह और बढ़ेगा।

एसआरएम विश्वविद्यालय में हुआ सतत कृषि प्रथाएं: अमृत इंटर्नशिप प्रोग्राम पर सम्मेलन

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसानों को सरकारी योजनाओं से परिचित कराना

भास्कर न्यूज़ | सोनीपत

सोनीपत. एसआरएम विश्वविद्यालय में सम्मेलन के दौरान अतिथि।

एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर ने आईपीएल फाउंडेशन के सहयोग से सतत कृषि प्रथाएं: अमृत इंटर्नशिप प्रोग्राम पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के एकेडमिक ब्लॉक में संपन्न हुआ। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसानों को सरकारी योजनाओं से परिचित कराना और छात्रों को अमृत इंटर्नशिप प्रोग्राम से अवगत कराना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. (डॉ.) रेनू चौधरी के स्वागत भाषण से हुई। सम्मेलन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमजीत एस. जसवाल ने की। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव रंजन, पूर्व मुख्य सचिव तमिलनाडु और आईपीएल फाउंडेशन के सलाहकार, ने कृषि क्षेत्र में विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं के महत्व और उनके लाभों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किसान कमल सिंह चौहान, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किसान दिनेश चौहान, प्रो. वी. सैमुअल राज, प्रवीण चौहान और अरुण ने मृदा स्वास्थ्य, सतत कृषि प्रथाएं, स्मार्ट एग्रीकल्चर और समग्र कृषि प्रणाली पर विचार सांझा किए। अमृत इंटर्नशिप प्रोग्राम के चयनित प्रशिक्षु भी सम्मेलन में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रो. अंजली प्रियदर्शिनी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इंडियन पोटाश लिमिटेड ने मुख्यमंत्री रंगला पंजाब फंड के लिए दिया 15 लाख का चेक

चंडीगढ़,लुधियाना/उत्तम हिन्दू न्यूज : अग्रणी उर्वरक कंपनी मेसर्स इंडियन पोटाश लिमिटेड के प्रतिनिधियों योगेश गुप्ता, उप प्रबंधक एवं विकास शर्मा, कार्यकारी ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां से मुलाकात की। इंडियन पोटाश लिमिटेड की ओर से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए स्थापित मुख्यमंत्री रंगला पंजाब फंड के लिए मंत्री को 15 लाख रुपये का चेक सौंपा गया। डॉ. अर्शदीप सिंह थिंड, आईएएस, डॉ. गुरनाम सिंह, डॉ. नरिंदर सिंह बेनीपाल, डॉ. गुरदीप सिंह, डॉ. गिरीश भार्गव और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग - पंजाब के अन्य प्रतिनिधि भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

"ଓାନ୍ ହେଲ୍ଥ କ୍ୟାମ୍" ଅଧୀନରେ ଘାଟବୈଳା ଗ୍ରାମରେ ପଶୁ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ଶିବିରର ସଫଳ ଆୟୋଜନ

આઈપીએલ શુગર યુનિટ, કોડિનારમાં 'વન હેલ્થ મેડિકલ કેમ્પ'નું આયોજન

કોડીનાર તા.૧૯ ઈન્ડિયન પોટાશ લિમિટેડ (IPL) ફાઉન્ડેશનની કોર્પોરેટ સોશિયલ રિસ્પોન્સિબિલિટી (CSR) પહેલ હેઠળ ૧૯ ડિસેમ્બર ૨૦૨૫ના રોજ આઈપીએલ શુગર યુનિટ, કોડિનાર, જિલ્લા ગીર સોમનાથ, ગુજરાત ખાતે એક વિશાળ "વન હેલ્થ મેડિકલ કેમ્પ"નું સફળ આયોજન કરવામાં આવ્યું. આ કાર્યક્રમનું અમલીકરણ નવી દિલ્હી રાઈઝ ફાઉન્ડેશન દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતું, જેનો મુખ્ય ઉદ્દેશ માનવ, પ્રાણી, માટી અને વનસ્પતિના સ્વાસ્થ્યને એકીકૃત અને ટકાઉ રીતે મજબૂત બનાવી સર્વાંગી ગ્રામ વિકાસને પ્રોત્સાહન આપવાનો હતો.

કાર્યક્રમનું ઔપચારિક ઉદ્ઘાટન શ્રી યશ સોલંકી, યુનિટ ... વતેન્દ્ર પંવાર, એચઓડી કેન - આઈપીએલ કોડિનાર અને તાલાલા ; શ્રી પી. એસ. ડોડિયા, ચેરમેન, બિલેશ્વર ખાંડ ઉદ્યોગ; શ્રી રાજન ભાઈ વંશ, મેનેજિંગ ડિરેક્ટર, બિલેશ્વર ખાંડ ઉદ્યોગ; તથા શ્રી હરિ ભાઈ દાહિમા, પ્રિન્સિપાલ, ભાભા સ્કૂલ દ્વારા કરવામાં આવ્યું. મહાનુભાવોએ દીપ પ્રજ્વલન કરીને કાર્યક્રમનો શુભારંભ કર્યો અને લાભાર્થીઓ સાથે સંવાદ સાધ્યો. કોડિનાર તથા આસપાસના વિસ્તારોમાંથી ગ્રામજનો, ખેડૂત તથા મહિલાઓ અને બાળકોની વિશાળ અને ઉત્સાહભરી ભાગીદારી નોંધાઈ.

કેમ્પ દરમિયાન વ્યાપક માનવ સ્વાસ્થ્ય સેવાઓ ઉપલબ્ધ કરાવવામાં આવી, જેમાં બ્લડ પ્રેશર અને બ્લડ શુગર તપાસ, સામાન્ય તબીબી પરામર્શ, ... વિતરણ તથા સેનિટરી પેડ્સનું વિતરણ સામેલ હતું. આ સેવાઓથી ગ્રામ્ય સમુદાયોને નિવારક તથા પ્રાથમિક આરોગ્ય સેવાઓ સુધી સરળ પહોંચ પ્રાપ્ત થઈ.

વનસ્પતિ અને માટી સ્વાસ્થ્ય સત્રનું સંયુક્ત આયોજન ડૉ. રમેશ ભાઈ રાઠોડ, વૈજ્ઞાનિક, કૃષિ વિજ્ઞાન કેન્દ્ર (KVK), કોડિનાર અને ડૉ. પી. ડી. કુમાવત, એગ્રોનોમિસ્ટ, ... (JAU) દ્વારા કરવામાં આવ્યું. નિષ્ણાતોએ ખેડૂતો સાથે સુધારેલી શેરડીની જાતો, માટીની ઉર્વરતા વ્યવસ્થાપન, સંતુલિત ખાતર ઉપયોગ અને ટકાઉ કૃષિ પદ્ધતિઓ વિષે વૈજ્ઞાનિક તથા વ્યવહારુ માર્ગદર્શન આપ્યું, જેનાથી ઉત્પાદનક્ષમતા અને ખેડૂત આવક વધારવામાં સહાય મળશે.

આ ઉપરાંત દેવલી ગામ ખાતે પશુચિકિત્સા આરોગ્ય ... આવ્યું, જેમાં ડૉ. એમ. ડી. રાઠોડ (વેટરનરી ઓફિસર, કોડિનાર) અને ડૉ. મનુ ભાઈ ગોહિલ (વેટરનરી ડોક્ટર) તથા સંજયભાઈ ડોડીયા તેમની ટીમે પશુઓની આરોગ્ય તપાસ, સારવાર, ડીવોર્મિંગ અને પરામર્શ સેવાઓ આપી, જેના દ્વારા વન હેલ્થ અભિગમને વધુ મજબૂતી મળી.

કાર્યક્રમનું સમાપન સન્માન સમારોહ સાથે ... અભય ત્રિપાઠી, સચિવ, રાઈઝ ફાઉન્ડેશન દ્વારા ડોક્ટરો, વૈજ્ઞાનિકો, પશુચિકિત્સા નિષ્ણાતો તથા મુખ્ય યોગદાનકર્તાઓને સ્મૃતિચિહ્ન આપી તેમની સેવાઓ માટે આભાર વ્યક્ત કરવામાં આવ્યો. આ સફળ આયોજનમાં આઈપીએલ અધિકારી શ્રી અજીતભાઈ ડોડીયા કોડીનાર આ કાયક્રમાં સફળ બાનવવા ...

आईपीएल यूनिट तितावी में हेल्थ मेडिकल कैम्प लगाया

तितावी, मुज़फ्फरनगर, अजय (पंजाब केसरी) : शुक्रवार को आई.पी.एल यूनिट तितावी शुगर काम्प्लेक्स तितावी द्वारा संस्थान परिसर में प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र पर एक हेल्थ मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया ।मेडिकल कैम्प के इस शिविर में मिट्टी, मानव, पशु एवं पौधों से सम्बन्धित स्वास्थ्य जांच और अन्य जागरुकता गतिविधियां सम्पन्न की गयी। कैंप में 300 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच, 100 से अधिक मिट्टी के नमूनों की जांच और 250 से अधिक पशुओं का जांच की गयी।मेडिकल कैम्प के प्लांट हेल्थ सत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ हंसराज सिंह और डॉ रविन्द्र कुमार ने किसानों को सम्बोधित किया । मानव स्वास्थ्य जांच कैम्प में डॉ संजय कुमार (जनरल फिजिशियन), डॉ मानसी सिंह (दन्त चिकित्सक), डॉ दिव्या खुशबू निर्वाल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) और डॉ रोहित गोयल (नेत्र रोग विशेषत्र) द्वारा ग्रामीणों की ब्लड प्रेशर, शुगर, आंख, दांत और महिला स्वास्थ्य सम्बन्धी जांचे की गयी। शिविर का शुभारम्भ इकाई प्रमुख श्री कुलदीप सिंह और विभागाध्यक्ष (गन्ना) श्री के.पी. मलिक ने दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया । इस अवसर पर राईज फाउंडेशन के सचिव श्री अभय त्रिपाठी ने सभी डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और तकनीकी सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया । कार्यक्रम में मिल के वरिष्ठ प्रबन्धक (गन्ना) नवीन पंवार, प्रबन्धक (गन्ना) ,सविन्द्र कुमार, अति प्रबन्धक सुनित कुमार, उप प्रबन्धक राहुल तोमर, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

आईपीएल फ़ाउंडेशन में, हम आपको संगठन के सभी क्षेत्रों की नवीनतम खबरों और विकासों से अवगत कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य आपको महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुँचने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करना है। हम आपके निरंतर सहयोग के लिए आभारी हैं और आपको इस यात्रा का हिस्सा बने रहने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

कृपया इस न्यूज़लेटर को अपने संपर्कों के साथ साझा करें ताकि उन्हें आईपीएल और आईपीएल फ़ाउंडेशन की हालिया गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलती रहे। हमें आपके विचार जानकर खुशी होगी! भविष्य के न्यूज़लेटर्स में आप जिन नई सुविधाओं को देखना चाहेंगे, उनके लिए अपने सुझाव या विचार साझा करें। आपकी प्रतिक्रिया का हमेशा स्वागत है!

First Floor, Potash Bhawan,
10-B, Rajendra Park,
Pusa Road,
New Delhi- 110060

011- 25461540/ 45647
891/ 280/283

icroipl@gmail.com
foundation_ipl
IPL FOUNDATION

iplfoundation.org.in
IPL FOUNDATION
@Icroipl